Signature and Name of Invigilator

1. (Signature) ______________________

   (Name) ______________________

2. (Signature) ______________________

   (Name) ______________________

OMR Sheet No.: ....

(To be filled by the Candidate)

Roll No. | | | | | | | | |

(In figures as per admission card)

Roll No. ______________________

(In words)

J 3 3 1 5

PAPER - III
DOGRI

Time : 2½ hours] **[Maximum Marks : 150**

Number of Pages in this Booklet : **20** | Number of Questions in this Booklet : **75**

Instructions for the Candidates

1. Write your roll number in the space provided on the top of this page.
2. This paper consists of seventy five multiple-choice type of questions.
3. At the commencement of examination, the question booklet will be given to you. In the first 5 minutes, you are requested to open the booklet and compulsorily examine it as below :
   (i) To have access to the Question Booklet, tear off the paper seal on the edge of this cover page. Do not accept a booklet without sticker-seal and do not accept an open booklet.
   (ii) **Tally the number of pages and number of questions in the booklet with the information printed on the cover page. Faulty booklets due to pages/questions missing or duplicate or not in serial order or any other discrepancy should be got replaced immediately by a correct booklet from the invigilator within the period of 5 minutes. Afterwards, neither the Question Booklet will be replaced nor any extra time will be given.**
   (iii) After this verification is over, the Test Booklet Number should be entered on the OMR Sheet and the OMR Sheet Number should be entered on this Test Booklet.
4. Each item has four alternative responses marked (1), (2), (3) and (4). You have to darken the circle as indicated below on the correct response against each item.

   Example : ① ② ● ④ where (3) is the correct response.
5. Your responses to the items are to be indicated in the **OMR Sheet given inside the Booklet only.** If you mark your response at any place other than in the circle in the OMR Sheet, it will not be evaluated.
6. Read instructions given inside carefully.
7. Rough Work is to be done in the end of this booklet.
8. If you write your Name, Roll Number, Phone Number or put any mark on any part of the OMR Sheet, except for the space allotted for the relevant entries, which may disclose your identity, or use abusive language or employ any other unfair means, such as change of response by scratching or using white fluid, you will render yourself liable to disqualification.
9. You have to return the original OMR Sheet to the invigilators at the end of the examination compulsorily and must not carry it with you outside the Examination Hall. You are however, allowed to carry original question booklet and duplicate copy of OMR Sheet on conclusion of examination.
10. **Use only Blue/Black Ball point pen.**
11. **Use of any calculator or log table etc., is prohibited.**
12. **There are no negative marks for incorrect answers.**

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. इस पृष्ठ के ऊपर नियत स्थान पर अपना रोल नम्बर लिखिए।
2. इस प्रश्न-पत्र में पचहत्तर बहुविकल्पीय प्रश्न हैं।
3. परीक्षा प्रारम्भ होने पर, प्रश्न-पुस्तिका आपको दे दी जायेगी। पहले पाँच मिनट आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने तथा उसकी निम्नलिखित जाँच के लिए दिये जायेंगे, जिसकी जाँच आपको अवश्य करनी है :
   (i) प्रश्न-पुस्तिका खोलने के लिए पुस्तिका पर लगी कागज की सील को फाड़ लें। खुली हुई या बिना स्टीकर-सील की पुस्तिका स्वीकार न करें।
   (ii) **कवर पृष्ठ पर छपे निर्देशानुसार प्रश्न-पुस्तिका के पृष्ठ तथा प्रश्नों की संख्या को अच्छी तरह चैक कर लें कि ये पूरे हैं। दोषपूर्ण पुस्तिका जिनमें पृष्ठ/प्रश्न कम हों या दुबारा आ गये हों या सीरियल में न हों अर्थात किसी भी प्रकार की त्रुटिपूर्ण पुस्तिका स्वीकार न करें तथा उसी समय उसे लौटाकर उसके स्थान पर दूसरी सही प्रश्न-पुस्तिका ले लें। इसके लिए आपको पाँच मिनट दिये जायेंगे। उसके बाद न तो आपकी प्रश्न-पुस्तिका वापस ली जायेगी और न ही आपको अतिरिक्त समय दिया जायेगा।**
   (iii) इस जाँच के बाद प्रश्न-पुस्तिका का नंबर OMR पत्रक पर अंकित करें और OMR पत्रक का नंबर इस प्रश्न-पुस्तिका पर अंकित कर दें।
4. प्रत्येक प्रश्न के लिए चार उत्तर विकल्प (1), (2), (3) तथा (4) दिये गये हैं। आपको सही उत्तर के वृत्त को पेन से भरकर काला करना है जैसा कि नीचे दिखाया गया है।

   उदाहरण : ① ② ● ④ जबकि (3) सही उत्तर है।
5. प्रश्नों के उत्तर **केवल प्रश्न पुस्तिका के अन्दर दिये गये OMR पत्रक पर ही** अंकित करने हैं। यदि आप OMR पत्रक पर दिये गये वृत्त के अलावा किसी अन्य स्थान पर उत्तर चिन्हांकित करते हैं, तो उसका मूल्यांकन नहीं होगा।
6. अन्दर दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें।
7. कच्चा काम (Rough Work) इस पुस्तिका के अन्तिम पृष्ठ पर करें।
8. यदि आप OMR पत्रक पर नियत स्थान के अलावा अपना नाम, रोल नम्बर, फोन नम्बर या कोई भी ऐसा चिह्न जिससे आपकी पहचान हो सके, अंकित करते हैं अथवा अभद्र भाषा का प्रयोग करते हैं, या कोई अन्य अनुचित साधन का प्रयोग करते हैं, जैसे कि अंकित किये गये उत्तर को मिटाना या सफेद स्याही से बदलना तो परीक्षा के लिये अयोग्य घोषित किये जा सकते हैं।
9. आपको परीक्षा समाप्त होने पर मूल OMR पत्रक निरीक्षक महोदय को लौटाना आवश्यक है और परीक्षा समाप्ति के बाद उसे अपने साथ परीक्षा भवन से बाहर न लेकर जायें। हालांकि आप परीक्षा समाप्ति पर मूल प्रश्न-पुस्तिका तथा OMR पत्रक की डुप्लीकेट प्रति अपने साथ ले जा सकते हैं।
10. **केवल नीले/काले बाल प्वाईंट पेन का ही इस्तेमाल करें।**
11. **किसी भी प्रकार का संगणक (कैलकुलेटर) या लाग टेबल आदि का प्रयोग वर्जित है।**
12. **गलत उत्तरों के लिए कोई नकारात्मक अंक नहीं हैं।**

DOGRI

डोगरी

PAPER - III

प्रश्नपत्र – III

नोट : इस पेपर च में **पंज्हत्तर (75)** मते विकल्पी सुआल न। हर सुआलै दे **दो (2)** नंबर न। **सभनें** सुआलें दे परते देओ।

1. भारोपीय भाशा-परिवार :
   (a) च एशिया, यूरोप, अमरीका, अफ्रीका बगैरा मुल्खें दियां भाशां औंदियां न।
   (b) च एशिया, यूरोप, हंगरी, फिनलैंड बगैरा मुल्खें दियां भाशां औंदियां न।
   (c) दियां प्रमुख प्राचीन भाशां संस्कृत, अवेस्ता, ग्रीक, लैटिन बगैरा न।
   (d) दियां प्रमुख आधुनिक भाशां अंग्रेज़ी, रूसी, जर्मन, पंजाबी, डोगरी बगैरा न।
   (1) (b), (c) ते (d) ठीक न। (2) (b) ते (c) ठीक न।
   (3) (a), (b) ते (c) ठीक न। (4) (a), (c) ते (d) ठीक न।

2. पैह्ली चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें दा दूई चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें कन्नै स्हेई मिलान करो :

	चंदी - I		**चंदी - II**
(a)	ते फ्ही	(i)	समुच्चय बोधक अव्यय
(b)	ख'ल्ल	(ii)	संबंध सूचक
(c)	दे पिच्छें	(iii)	विस्मय सूचक
(d)	शाबाश ऐ	(iv)	क्रिया-विशेशन

कोड :

	(a)	**(b)**	**(c)**	**(d)**
(1)	(ii)	(iii)	(iv)	(i)
(2)	(i)	(iv)	(ii)	(iii)
(3)	(iv)	(iii)	(i)	(ii)
(4)	(iii)	(i)	(iv)	(ii)

3. प्रकाशन-ब' रे दे क्रम दे स्हाबें डोगरी वाक्य-विन्यास, डोगरी निकास ते विकास, डोगरी व्याकरण ते भाशा-विज्ञान ते डोगरी पुस्तकें दा स्हेई क्रम ऐ।
   (1) डोगरी वाक्य-विन्यास, डोगरी निकास ते विकास, डोगरी व्याकरण ते भाशा-विज्ञान ते डोगरी।
   (2) डोगरी निकास ते विकास, डोगरी वाक्य-विन्यास, डोगरी व्याकरण ते भाशा-विज्ञान ते डोगरी।
   (3) भाशा-विज्ञान ते डोगरी, डोगरी वाक्य-विन्यास, डोगरी व्याकरण ते डोगरी निकास ते विकास।
   (4) डोगरी निकास ते विकास, डोगरी व्याकरण, डोगरी वाक्य-विन्यास ते भाशा-विज्ञान ते डोगरी।

4. हेठ दो कथन दित्ते गेदे न। इक गी **(A)** (असर्शन) यानि निश्चयात्मक कथन ते दुए गी **(R)** (रीज़न) यानि कारण आखेआ गेआ ऐ :

(A) बहुभाशी कोश-निर्माण दा कम्म खासा जटल होंदा ऐ।

(R) बहुभाशी कोश लेई सभनें सरबंधत भाशाएं दे प्रयोग ते मुहावरे दा ज्ञान होना लाज़मी ऐ।

(1) **(A)** ते **(R)** दोऐ ठीक न ते **(R), (A)** दी स्हेई व्याख्या ऐ।

(2) **(A)** ते **(R)** दोऐ ठीक न ते **(R), (A)** दी स्हेई व्याख्या नेईं ऐ।

(3) **(A)** ठीक ऐ पर **(R)** गल्त ऐ।

(4) **(A)** गल्त ऐ पर **(R)** ठीक ऐ।

5. 'डुग्गर' शब्द दी उत्पत्ति :

(1) 'दुर्गर' शब्द थमां मनासब ऐ।

(2) 'दुर्ग्रह' शब्द थमां मनासब ऐ।

(3) 'दुर्गल' शब्द थमां मनासब ऐ।

(4) 'द्विगर्त' शब्द थमां मनासब ऐ।

6. डोगरी च नासिक्य व्यंजन :

(a) पंज न।

(b) शब्दें दे शुरू च सब्भै नेईं औंदे।

(c) सब्भै अर्थ-भेदक न।

(d) ञ् व्यंजन कंठ्य ऐ।

(1) (b) ते (c) ठीक न।

(2) (a), (b) ते (d) ठीक न।

(3) (b) ते (d) ठीक न।

(4) (a), (b) ते (c) ठीक न।

7. पैह्ली चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें दा दूई चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें कन्नै स्हेई मिलान करो :

चंदी - I	**चंदी - II**
(a) भारतीय आर्य भाषा और हिन्दी	(i) कामता प्रसाद गुरु
(b) हिन्दी भाषा का उद्भव और विकास	(ii) किशोरी दास वाजपेयी
(c) भारतीय भाषा-विज्ञान	(iii) उदय नारायण तिवारी
(d) हिन्दी व्याकरण	(iv) सुनीति कुमार चटर्जी

कोड :

	(a)	**(b)**	**(c)**	**(d)**
(1)	(iv)	(iii)	(ii)	(i)
(2)	(iv)	(ii)	(iii)	(i)
(3)	(ii)	(i)	(iv)	(iii)
(4)	(iii)	(iv)	(i)	(ii)

8. आ, ओ, ई ते औ स्वरें दा मोकले, सौंगड़े, अद्‌ध सौंगड़े ते अद्‌ध मोकले दे क्रम दे स्हाबें स्हेई क्रम ऐ :

(1) आ, ओ, ई ते औ (2) ई, आ, ओ ते औ (3) आ, ई, ओ ते औ (4) ओ, औ, ई ते आ

9. हेठ दो कथन दित्ते गेदे न। इक गी **(A)** (असर्शन) यानि निश्चयात्मक कथन ते दुए गी **(R)** (रीज़न) यानि कारण आखेआ गेआ ऐ :

(A) प्रेरणार्थक क्रियाएं च दो कर्ता होंदे न : प्रेरक कर्ता ते प्रेरत कर्ता।

(R) प्रेरत कर्ता असली तौरा पर कम्मै च प्रवृत्त होंदा ऐ।

(1) **(A)** ते **(R)** दोऐ ठीक न ते **(R)**, **(A)** दी स्हेई व्याख्या ऐ।

(2) **(A)** ते **(R)** दोऐ ठीक न ते **(R)**, **(A)** दी स्हेई व्याख्या नेईं ऐ।

(3) **(A)** ठीक ऐ पर **(R)** गल्त ऐ।

(4) **(A)** गल्त ऐ पर **(R)** ठीक ऐ।

10. 'लीकर' अर्थ दे वाचक शब्द दा ठीक लिखत रूप ऐ :

(1) कार (2) क्हार (3) घार (4) काह्‌र

11. डोगरी दियां द्रव्य वाचक संज्ञां :

(a) अक्सर इकवचन च बरतोंदियां न।

(b) किश इक सिर्फ बहुवचन च बरतोंदियां न।

(c) इं'दे च वचन रूपायन होंदा गै नेईं।

(d) इं'दे च लिंग ते कारक रूपायन होंदा ऐ।

(1) (a) ते (c) ठीक न।

(2) (a), (b) ते (d) ठीक न।

(3) (a) ते (b) ठीक न।

(4) (a), (c) ते (d) ठीक न।

12. पैह्‌ली चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें दा दूई चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें कन्नै स्हेई मिलान करो :

चंदी - I	चंदी - II
(a) झगड़ैदी	(i) संज्ञा
(b) रोहानगी	(ii) सर्वनाम
(c) अपने आप	(iii) विशेशन
(d) जे किश	(iv) क्रिया-विशेशन

कोड :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(1)	(iii)	(ii)	(iv)	(i)
(2)	(iii)	(i)	(iv)	(ii)
(3)	(iv)	(ii)	(iii)	(i)
(4)	(i)	(ii)	(iv)	(iii)

13. डरौना, पिट्टु, भलोका, सतमां शब्दें च बरतोए दे प्रत्ययें दा आकारादि क्रम दे स्हाबें स्हेई क्रम ऐ :

(1) ओका, औना, उ ते मां (2) उ, ओका, औना ते मां

(3) मां, औना, ओका ते उ (4) उ, औना, ओका ते मां

14. हेठ दो कथन दित्ते गेदे न। इक गी **(A)** (असर्शन) यानि निश्चयात्मक कथन ते दुए गी **(R)** (रीज़न) यानि कारण आखेआ गेआ ऐ :

(A) कर्तृवाच्य च कर्ता ते क्रिया दा सिद्धा सरबंध होंदा ऐ।

(R) कर्तृवाच्य च क्रिया दा भाव प्रधान होंदा ऐ।

(1) **(A)** ते **(R)** दोऐ ठीक न ते **(R)**, **(A)** दी स्हेई व्याख्या ऐ।

(2) **(A)** ते **(R)** दोऐ ठीक न ते **(R)**, **(A)** दी स्हेई व्याख्या नेईं ऐ।

(3) **(A)** ठीक ऐ पर **(R)** गल्त ऐ।

(4) **(A)** गल्त ऐ पर **(R)** ठीक ऐ।

15. इं'दे च कालवाचक क्रिया-विशेशन ऐ :

(1) की-करी (2) कि'यां-कि'यां (3) कदूं-कुतै (4) कु'त्थै-कुतै

16. कवि दत्तु :

(a) राजा रंजीत देव दे समें च होए। (b) राजा रणवीर सिंह दे समें च होए।

(c) ब्रजराज पंचासिका दे लेखक न। (d) 'किल्लिया बत्तना' कविता दे कवि न।

(1) (a), (b) ते (d) ठीक न। (2) (b) ते (c) ठीक न।

(3) (a), (c) ते (d) ठीक न। (4) (b) ते (d) ठीक न।

17. पैह्ली चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें दा दूई चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें कन्नै स्हेई मिलान करो :

चंदी - I		चंदी - II	
(a)	कविता दी पंगती	(i)	अश्विनी मगोत्रा
(b)	मेरा पता	(ii)	मधुकर
(c)	खुबटियां	(iii)	यश शर्मा
(d)	मेला	(iv)	जितेंद्र उधमपुरी

कोड :

	(a)	**(b)**	**(c)**	**(d)**
(1)	(iv)	(i)	(ii)	(iii)
(2)	(ii)	(iv)	(i)	(iii)
(3)	(iii)	(i)	(iv)	(ii)
(4)	(ii)	(iv)	(iii)	(i)

18. सुरजीत 'होश', संतोष खजूरिया, चम्पा शर्मा ते ध्यान सिंह कवियें दे इस क्रम दे स्हाबें इं'दियें रचनाएं दा स्हेई क्रम ऐ :

(1) गडीरना, बदलोंदियां ब्हारां, त्रेह्, ते लाबारस परछामें लाबारस परछामें।

(2) लाबारस परछामें, बदलोंदियां ब्हारां, गडीरना ते त्रेह्।

(3) लाबारस परछामें, त्रेह्, बदलोंदियां ब्हारां ते गडीरना।

(4) त्रेह्, गडीरना, बदलोंदियां ब्हारां ते लाबारस परछामें।

19. हेठ दो कथन दित्ते गेदे न। इक गी **(A)** (असर्शन) यानि निश्चयात्मक कथन ते दुए गी **(R)** (रीज़न) यानि कारण आखेआ गेआ ऐ :

(A) डोगरी च गज़ल भामें खासी लखोआ करदी ऐ, पर जीह्बा पर चढ़ने आह्ली गज़ल कोई गै।

(R) दरअसल शायरी च तासीर दा होना बड़ा जरूरी ऐ।

(1) **(A)** ते **(R)** दोऐ ठीक न ते **(R), (A)** दी स्हेई व्याख्या ऐ।

(2) **(A)** ते **(R)** दोऐ ठीक न ते **(R), (A)** दी स्हेई व्याख्या नेईं ऐ।

(3) **(A)** ठीक ऐ पर **(R)** गल्त ऐ।

(4) **(A)** गल्त ऐ पर **(R)** ठीक ऐ।

20. इं'दे च कुंडली संग्रैह् ऐ ।

(1) सतबन्ना (2) धैंथियां (3) फुहारां (4) पींह्गां

21. राम लाल शर्मा :

(a) मुहावरे-खुआनें दे प्रयोग च माहिर शायर न।
(b) साफगोई दे गुणै दी पैरवी करने आह्ले न।
(c) सिर्फ इश्क-मुहब्बत दा सुर बझालदे न।
(d) धार्मिक रस्में-रवाजें च यकीन रखदे न।

(1) (a), (b) ते (c) ठीक न।
(2) (b), (c) ते (d) ठीक न।
(3) (a) ते (b) ठीक न।
(4) (a), (b) ते (d) ठीक न।

22. पैह्ली चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें दा दूई चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें कन्नै स्हेई मिलान करो :

चंदी - I		**चंदी - II**	
(a)	आपूं राजा	(i)	सुनील शर्मा
(b)	ललकार	(ii)	प्रकाश प्रेमी
(c)	मेरियां स'त्रां तेरी र्‍होल	(iii)	शिवराम दीप
(d)	शबील अगनी दी	(iv)	निर्मल विनोद

कोड :

	(a)	**(b)**	**(c)**	**(d)**
(1)	(iii)	(ii)	(iv)	(i)
(2)	(iv)	(ii)	(i)	(iii)
(3)	(ii)	(iv)	(i)	(iii)
(4)	(iii)	(i)	(iv)	(ii)

23. प्रकाशन-काल क्रम दे स्हाबें बुक्कल, लावा, सीरां ते निग्घे रंग पुस्तकें दा स्हेई क्रम ऐ।

(1) बुक्कल, लावा, सीरां ते निग्घे रंग
(2) लावा, सीरां, बुक्कल ते निग्घे रंग
(3) लावा, सीरां, निग्घे रंग ते बुक्कल
(4) सीरां, लावा, निग्घे रंग ते बुक्कल

24. हेठ दो कथन दित्ते गेदे न। इक गी **(A)** (असर्शन) यानि निश्चयात्मक कथन ते दुए गी **(R)** (रीज़न) यानि कारण आखेआ गेआ ऐ :

(A) वातावरण चित्रण च उपन्यासकार कोल मोकला परिवेश होंदा ऐ।
(R) उपन्यासकार अपने कथा-खेतर दे अगले-पिछले परिवेश च बी नजर मारी सकदा ऐ।

(1) **(A)** ते **(R)** दोऐ ठीक न ते **(R)**, **(A)** दी स्हेई व्याख्या ऐ।
(2) **(A)** ते **(R)** दोऐ ठीक न ते **(R)**, **(A)** दी स्हेई व्याख्या नेईं ऐ।
(3) **(A)** ठीक ऐ पर **(R)** गल्त ऐ।
(4) **(A)** गल्त ऐ पर **(R)** ठीक ऐ।

25. 'बाल-मजूरी' पर अधारत उपन्यास ऐ :

(1) खाल्ली अंबर
(2) सेवाधनी
(3) चेतना
(4) सद्धरां पौंगरी पेइयां

26. डोगरी दे आंचलिक उपन्यासें च :

(a) प्हाड़ी आंचल दी संस्कृति दा चित्रण मता ऐ।
(b) कंढी प्रदेश दी संस्कृति दा चित्रण मता ऐ।
(c) जांगली लोक ते पिओके भेजो औंदे न।
(d) क'न्नी बरसांत ते बक्खरे-बक्खरे सच्च औंदे न।

(1) (a) ते (c) ठीक न।
(2) (a), (b) ते (d) ठीक न।
(3) (b) ते (d) ठीक न।
(4) (b), (c) ते (d) ठीक न।

27. पैह्ली चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें दा दूई चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें कन्नै स्हेई मिलान करो :

चंदी - I	**चंदी - II**
(a) चाननी दे अत्थरूं	(i) सीता राम सपोलिया
(b) कींगरे दो रुक्ख	(ii) राज राही
(c) काली गंगा	(iii) संतोष सांगड़ा
(d) असली वारस	(iv) पंकज कुमार

कोड :

	(a)	**(b)**	**(c)**	**(d)**
(1)	(iv)	(iii)	(ii)	(i)
(2)	(iv)	(ii)	(iii)	(i)
(3)	(i)	(iv)	(iii)	(ii)
(4)	(iii)	(iv)	(ii)	(i)

28. टनकोर, संघासन, किले दा कैदी ते कोलें दियां लीकरां क्हानी-संग्रैहें दे इस क्रम दे स्हाबें इं'दे रचनाकारें दा स्हेई क्रम ऐ।

(1) डी.सी. प्रशांत, कृष्ण शर्मा, सुदर्शन रत्नपुरी ते नरेन्द्र खजूरिया
(2) नरेन्द्र खजूरिया, डी.सी. प्रशांत, कृष्ण शर्मा ते सुदर्शन रत्नपुरी
(3) कृष्ण शर्मा, नरेन्द्र खजुरिया, डी.सी. प्रशांत ते सुदर्शन रत्नपुरी
(4) कृष्ण शर्मा, सुदर्शन रत्नपुरी, डी.सी. प्रशांत ते नरेन्द्र खजूरिया

29. हेठ दो कथन दित्ते गेदे न। इक गी **(A)** (असर्शन) यानि निश्चयात्मक कथन ते दुए गी **(R)** (रीज़न) यानि कारण आखेआ गेआ ऐ :

(A) अज्जै दी डोगरी क्हानी च केईं चाल्ली दे नमें प्रयोग होए न।

(R) डोगरी क्हानी च रुक्खें-बहूटें गी पात्रें दे रूपै च चित्रत करना इक नमां प्रयोग ऐ।

(1) **(A)** ते **(R)** दोऐ ठीक न ते **(R)**, **(A)** दी स्हेई व्याख्या ऐ।
(2) **(A)** ते **(R)** दोऐ ठीक न ते **(R)**, **(A)** दी स्हेई व्याख्या नेईं ऐ।
(3) **(A)** ठीक ऐ पर **(R)** गल्त ऐ।
(4) **(A)** गल्त ऐ पर **(R)** ठीक ऐ।

30. 'नारी-विमर्श' गी विशे बनाइयै लिखी गेदी क्हानी ऐ।

(1) जींदा श्हीद (2) चेता (3) अज्ञातवास (4) दिर थुआढ़ी

31. 'गूढ़े धुंधले चेह्‌रे' ते 'रिश्ते' :

(a) दे प्रकाशन ब'रे 1988 ते 1998 न।

(b) चम्पा शर्मा ते नीलाम्बर देव शर्मां हुंदियां पुस्तकां न।

(c) दोऐ रेखाचित्र न।

(d) दे प्रकाशन ब'रे 1978 ते 1988 न।

(1) (a) ते (c) ठीक न।

(2) (a) ते (b) ठीक न।

(3) (a) ते (d) ठीक न।

(4) (a), (c) ते (d) ठीक न।

32. पैह्‌ली चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें दा दूई चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें कन्नै स्हेई मिलान करो :

चंदी - I		**चंदी - II**	
(a)	शाह्‌ जी	(i)	नीलाम्बर देव शर्मा
(b)	जजूली	(ii)	ओम विद्‌यार्थी
(c)	नांऽ दी म्हत्ता	(iii)	नरसिंह देव जम्वाल
(d)	कारगिल लेह्‌ यात्रा	(iv)	लक्ष्मी नारायण

कोड :

	(a)	**(b)**	**(c)**	**(d)**
(1)	(iii)	(ii)	(iv)	(i)
(2)	(iii)	(i)	(iv)	(ii)
(3)	(iv)	(iii)	(i)	(ii)
(4)	(i)	(ii)	(iv)	(iii)

33. प्रकाशन-क्रम दे स्हाबें चेतें दियां ग'लियां, गुंगी धरती दा जिंदगीनामा, त्रुम्बां ते राम रचना पुस्तकें दा स्हेई क्रम ऐ।

(1) चेतें दियां ग'लियां, त्रुम्बां, गुंगी धरती दा जिंदगीनामा ते राम रचना

(2) त्रुम्बां, गुंगी धरती दा जिंदगीनामा, राम रचना ते चेतें दियां ग'लियां

(3) गुंगी धरती दा जिंदगीनामा, त्रुम्बां, चेतें दियां ग'लियां ते राम रचना

(4) चेतें दियां ग'लियां, गुंगी धरती दा जिंदगीनामा, त्रुम्बां ते राम रचना

34. हेठ दो कथन दित्ते गेदे न। इक गी **(A)** (असर्शन) यानि निश्चयात्मक कथन ते दुए गी **(R)** (रीज़न) यानि कारण आखेआ गेआ ऐ :

(A) जीवन दे सफल निर्वाह्‌ आस्तै 'धन' म्हत्तवपूर्ण ऐ।

(R) धन औना चाहिदा जि'यां मर्जी आवै।

(1) **(A)** ते **(R)** दोऐ ठीक न ते **(R), (A)** दी स्हेई व्याख्या ऐ।

(2) **(A)** ते **(R)** दोऐ ठीक न ते **(R), (A)** दी स्हेई व्याख्या नेईं ऐ।

(3) **(A)** ठीक ऐ पर **(R)** गल्त ऐ।

(4) **(A)** गल्त ऐ पर **(R)** ठीक ऐ।

35. 'त्रिवेणी' पुस्तक दे त्रै भाग न। पैह्ला ते दूआ भाग भाशा ते संस्कृति सरबंधी लेखें पर अधारत न, जद के त्रिये भाग दा सरबंध ऐ।

(1) आलोचना कन्नै (2) व्याकरण कन्नै (3) साहित्य कन्नै (4) इतिहास कन्नै

36. 'लारे'

(a) दे रचनाकार विश्वनाथ खजूरिया न।
(b) इक उपन्यास ऐ।
(c) इक निबंध ऐ।
(d) दे रचनाकार लक्ष्मी नारायण न।

(1) (a) ते (c) ठीक न।
(2) (a), (b) ते (d) ठीक न।
(3) (a) ते (d) ठीक न।
(4) (a), (c) ते (d) ठीक न।

37. पैह्ली चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें दा दूई चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें कन्नै स्हेई मिलान करो :

चंदी - I		चंदी - II	
(a)	रामचंद्र शुक्ल	(i)	निबंध च स्वछंदता, निजीपन ते सजीवता होंदी ऐ।
(b)	बाबू गुलाब राय	(ii)	निबंध च विचारें दी गंभीरता ते भाशा दी समासिकता होंदी ए।
(c)	हरवर्ट रीड	(iii)	निबंध च विचारें दी सुतैंत्रता होंदी ऐ।
(d)	लक्ष्मी नारायण	(iv)	निबंध च लेखक दे निजी विचार होंदे न।

कोड :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(1)	(iv)	(iii)	(ii)	(i)
(2)	(iv)	(ii)	(iii)	(i)
(3)	(ii)	(i)	(iv)	(iii)
(4)	(iii)	(iv)	(i)	(ii)

38. 'दिन-दिन जोत सोआई' निबंध-संग्रैह् भागें च बंडोए दा ऐ ते इसदे पैह्ले च'ऊं भागें दे निबंधें दे सुआतम दा स्हेई क्रम ऐ।

(1) संस्मरणात्मक, विवरणात्मक, मनोविश्लेशनात्मक ते संश्लेशनात्मक
(2) संस्मरणात्मक, संश्लेशनात्मक, विवरणात्मक ते मनोविश्लेशनात्मक
(3) विवरणात्मक, संस्मरणात्मक, संश्लेशनात्मक ते मनोविश्लेशनात्मक
(4) संश्लेशनात्मक, मनोविश्लेशनात्मक, संस्मरणात्मक ते विवरणात्मक

39. हेठ दो कथन दित्ते गेदे न। इक गी **(A)** (असर्शन) यानि निश्चयात्मक कथन ते दुए गी **(R)** (रीज़न) यानि कारण आखेआ गेआ ऐ :

(A) नाटकें दी लोकप्रियता दिनो-दिन घटा करदी ऐ।

(R) नाटकें कन्नै जुड़े दे कलाकारें गी इस पेशे च मनासब सराह्ना नेईं मिलदी।

(1) **(A)** ते **(R)** दोऐ ठीक न ते **(R)**, **(A)** दी स्हेई व्याख्या ऐ।

(2) **(A)** ते **(R)** दोऐ ठीक न ते **(R)**, **(A)** दी स्हेई व्याख्या नेईं ऐ।

(3) **(A)** ठीक ऐ पर **(R)** गल्त ऐ।

(4) **(A)** गल्त ऐ पर **(R)** ठीक ऐ।

40. 'चौसर'

(1) रंगमंची नाटकें दा संग्रैह् ऐ।

(2) नरसिंह देव जम्वाल हुंदी रचना ऐ।

(3) मदन मोहन शर्मा हुंदी कृति ऐ।

(4) साहित्य अकादेमी द्वारा पुरस्कृत ऐ।

41. 'गलेडियेटर' नाटक :

(a) रेडियाई एकांकी ऐ।

(b) रेडियाई नाटक ऐ।

(c) मोहन सिंह हुंदी रचना ऐ।

(d) मदन मोहन शर्मा हुंदी रचना ऐ।

(1) (a), (b) ते (d) ठीक न।

(2) (a), (b) ते (c) ठीक न।

(3) (a) ते (c) ठीक न।

(4) (b) ते (d) ठीक न।

42. पैह्ली चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें दा दूई चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें कन्नै स्हेई मिलान करो :

चंदी - I		**चंदी - II**	
(a)	बिद्धां	(i)	कूंशजादी
(b)	नदी अग्ग ते यक्ष प्रशन	(ii)	अभिनय दी किस्म
(c)	अंम्बर छूयै धरत नमानी	(iii)	ओम गोस्वामी
(d)	आहार्य	(iv)	रेडियाई नाटक

कोड :

	(a)	**(b)**	**(c)**	**(d)**
(1)	(ii)	(iii)	(iv)	(i)
(2)	(i)	(iii)	(iv)	(ii)
(3)	(iv)	(iii)	(i)	(ii)
(4)	(iii)	(i)	(iv)	(ii)

43. 'कच', 'नमां ग्रांऽ', 'जनौर' ते 'अल्लढ़ गोल्ली वीर शपाही' दे पात्रें दा स्हेई क्रम ऐ।

(1) शुक्राचार्य, लाजो, कृष्ण देव ते कुंजू

(2) कुंजू, शुक्राचार्य, लाजो ते कृष्ण देव

(3) शुक्राचार्य, कुंजू, कृष्ण देव ते लाजो

(4) कुंजू, लाजो शुक्राचार्य ते कृष्ण देव

44. हेठ दो कथन दित्ते गेदे न। इक गी **(A)** (असर्शन) यानि निश्चयात्मक कथन ते दुए गी **(R)** (रीज़न) यानि कारण आखेआ गेआ ऐ :

(A) डोगरी नाटक ने लम्मा पैंडा तैऽ कीता ऐ।

(R) अजें बी दूइयें सग्गोसार भाशाएं दे मकाबले च डोगरी नाटक च थीम, कथानक ते रंगमंची तकनीक दी दिशा च होर जतनें दी लोड़ ऐ।

(1) **(A)** ते **(R)** दोऐ ठीक न ते **(R), (A)** दी स्हेई व्याख्या ऐ।

(2) **(A)** ते **(R)** दोऐ ठीक न ते **(R), (A)** दी स्हेई व्याख्या नेईं ऐ।

(3) **(A)** ठीक ऐ पर **(R)** गल्त ऐ।

(4) **(A)** गल्त ऐ पर **(R)** ठीक ऐ।

45. शूद्रक दे 'मृच्छकटिकम्' नाटक दा डोगरी अनुवाद ऐ :

(1) मित्ती दी गड्डी (2) सुन्ना ते सुआर्थ (3) मत्तविलास (4) बाकी इतिहास

46. आधुनिकतावाद :

(a) दा मन्नना ऐ जे परम सच्चाई जनेही कोई चीज नेईं होंदी

(b) दा मन्नना ऐ जे जीवन अव्यवस्थित ऐ।

(c) दा परंपराएं कन्नै अनत्रुट्ट सरबंध ऐ।

(d) अवचेतन कन्नै सरबंधत ऐ।

(1) (b) ते (c) ठीक न। (2) (a), (b) ते (d) ठीक न।

(3) (a) ते (c) ठीक न। (4) (b), (c) ते (d) ठीक न।

47. पैह्ली चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें दा दूई चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें कन्नै स्हेई मिलान करो :

चंदी - I	**चंदी - II**
(a) डोगरी साहित्य: इक नजरसानी	(i) वीणा गुप्ता
(b) खंडन-मंडन	(ii) डॉ. सुषमा शर्मा
(c) डोगरी कविता: प्रमुख रुझान	(iii) ललित मगोत्रा
(d) डोगरी गद्य: इक परचोल	(iv) सुरजीत होश बड़सली

कोड :

	(a)	**(b)**	**(c)**	**(d)**
(1)	(iv)	(iii)	(ii)	(i)
(2)	(iii)	(iv)	(i)	(ii)
(3)	(ii)	(i)	(iv)	(iii)
(4)	(iii)	(i)	(iv)	(ii)

48. भारती काव्य-शास्त्र दे सतमीं सदी, अठमीं सदी, नौमीं सदी ते दसमीं सदी दे आचार्यें दा स्हेई क्रम ऐ।
(1) दंडी, वामन, बाणभट्ट ते आनंदवर्धन
(2) बाणभट्ट, वामन, आनंदवर्धन ते दंडी
(3) बाणभट्ट, दंडी, वामन ते आनंदवर्धन
(4) वामन, दंडी, बाणभट्ट ते आनंदवर्धन

49. हेठ दो कथन दित्ते गेदे न। इक गी **(A)** (असर्शन) यानि निश्चयात्मक कथन ते दुए गी **(R)** (रीज़न) यानि कारण आखेआ गेआ ऐ :
(A) अभिव्यंजनावाद ते वक्रोक्ति सिद्धांत आपू-चें रलदे-मिलदे न।
(R) अभिव्यंजनावाद आलोचना दा पच्छमीं सिद्धांत ऐ।
(1) **(A)** ते **(R)** दोऐ ठीक न ते **(R)**, **(A)** दी स्हेई व्याख्या ऐ।
(2) **(A)** ते **(R)** दोऐ ठीक न ते **(R)**, **(A)** दी स्हेई व्याख्या नेईं ऐ।
(3) **(A)** ठीक ऐ पर **(R)** गल्त ऐ।
(4) **(A)** गल्त ऐ पर **(R)** ठीक ऐ।

50. डोगरी शोध 2013 च प्रकाशत लेख 'इक्कीमीं सदी दे पैह्‌ले द्‌हाके दी डोगरी क्हानी : इक जायज़ा' दियां लेखका न :
(1) प्रो. वीणा गुप्ता
(2) प्रो. शक्ति शर्मा
(3) प्रो. शशि पठानिया
(4) प्रो. शशि बजाज

51. कुंतक द्वारा दित्ते गेदे वर्ण विन्यास-वक्रता दे नियम न :
(a) वर्ण-विचित्रता जबरन।
(b) खौह्‌रे वर्णें थमां पर्‌हेज।
(c) वर्ण-योजना च श्रुति-मधुरता।
(d) वर्ण-विचित्रता जबरन नेईं।
(1) (a) ते (c) ठीक न।
(2) (a), (b) ते (c) ठीक न।
(3) (a) ते (d) ठीक न।
(4) (b), (c) ते (d) ठीक न।

52. पैह्‌ली चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें दा दूई चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें कन्नै स्हेई मिलान करो :

चंदी - I	**चंदी - II**
(a) अमूर्त गी स्पश्ट करने दा माध्यम	(i) रुद्रट ते राजशेखर
(b) समास रीति दा मूल तत्व	(ii) मम्मट ते विश्वनाथ
(c) वर्ण-गुंफ रीति दा मूल तत्व	(iii) शब्दगुण
(d) वर्ण-गुंफ	(iv) प्रतीक

कोड :

	(a)	**(b)**	**(c)**	**(d)**
(1)	(iv)	(i)	(ii)	(iii)
(2)	(iii)	(i)	(iv)	(ii)
(3)	(iv)	(ii)	(iii)	(i)
(4)	(i)	(ii)	(iv)	(iii)

53. काल-क्रम दे स्हाबें अभिव्यंजनावाद, यथार्थवाद, प्रतीकवाद ते आधुनिकतावाद दा स्हेई क्रम ऐ।
(1) यथार्थवाद, प्रतीकवाद, अभिव्यंजनावाद ते आधुनिकतावाद
(2) यथार्थवाद, आधुनिकतावाद, प्रतीकवाद ते अभिव्यंजनावाद
(3) यथार्थवाद, अभिव्यंजनावाद, प्रतीकवाद ते आधुनिकतावाद
(4) प्रतीकवाद, यथार्थवाद, अभिव्यंजनावाद ते आधुनिकतावाद

54. हेठ दो कथन दित्ते गेदे न। इक गी **(A)** (असर्शन) यानि निश्चयात्मक कथन ते दुए गी **(R)** (रीज़न) यानि कारण आखेआ गेआ ऐ :
(A) लोक-कत्थें राहें जनमानस दा ज्ञान च बाद्धा होंदा ऐ ते कन्नै मनोरंजन बी।
(R) लोक-कत्थ मौखिक तौरा पर पीढ़ी-दर-पीढ़ी चलने आह्ली विधा ऐ।
(1) **(A)** ते **(R)** दोऐ ठीक न ते **(R), (A)** दी स्हेई व्याख्या ऐ।
(2) **(A)** ते **(R)** दोऐ ठीक न ते **(R), (A)** दी स्हेई व्याख्या नेईं ऐ।
(3) **(A)** ठीक ऐ पर **(R)** गल्त ऐ।
(4) **(A)** गल्त ऐ पर **(R)** ठीक ऐ।

55. लोक-कत्थें दे पात्र आम तौरा पर होंदे न :
(1) चलाक (2) सरल ते सैह्ज (3) मूर्ख (4) कपटी

56. 'कहावत' दे डोगरी पर्याय न :
(a) मुहावरा (b) बाख (c) उआख (d) खुआन
(1) (a), (b) ते (d) ठीक न। (2) (b) ते (c) ठीक न।
(3) (a), (b) ते (c) ठीक न। (4) (b), (c) ते (d) ठीक न।

57. पैह्ली चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें दा दूई चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें कन्नै स्हेई मिलान करो :

चंदी - I	**चंदी - II**
(a) मूर्तिकला	(i) रंग, कैनवस, ब्रुश
(b) चित्रकला	(ii) मिट्टी, धात ते पत्थर
(c) शिश्ट साहित्य	(iii) परंपरागत
(d) लोक-साहित्य	(iv) लिखत

कोड :

	(a)	**(b)**	**(c)**	**(d)**
(1)	(ii)	(i)	(iv)	(iii)
(2)	(iv)	(ii)	(i)	(iii)
(3)	(iii)	(i)	(iv)	(ii)
(4)	(ii)	(iv)	(iii)	(i)

58. जागतै दे जन्म, जागतै दे ब्याह्, कुड़ी दे ब्याह् ते कुसै माह्नू दा सुर्गवास होई जाने पर गाए जाने आह्ले डोगरी लोक-गीतें दा स्हेई क्रम ऐ।

(1) सुहाग, बिहाई, घोड़ी ते लुहानी
(2) लुहानी, सुहाग, बिहाई ते घोड़ी
(3) बिहाई, घोड़ी, सुहाग ते लुहानी
(4) बिहाई, लुहानी, सुहाग ते घोड़ी

59. हेठ दो कथन दित्ते गेदे न। इक गी **(A)** (असर्शन) यानि निश्चयात्मक कथन ते दूए गी **(R)** (रीज़न) यानि कारण आखेआ गेआ ऐ :

(A) 'लोक-नाच अपने लाके दी जलवायु, रैह्त-बैह्त, कार-किरत ते संस्कृति दी झलक पेश करदे न।
(R) डुग्गर दा 'फुम्मनी' लोके-नाच कंढी लाके दे जीवन दी अक्कासी करदा ऐ।

(1) **(A)** ते **(R)** दोऐ ठीक न ते **(R), (A)** दी स्हेई व्याख्या ऐ।
(2) **(A)** ते **(R)** दोऐ ठीक न ते **(R), (A)** दी स्हेई व्याख्या नेईं ऐ।
(3) **(A)** ठीक ऐ पर **(R)** गल्त ऐ।
(4) **(A)** गल्त ऐ पर **(R)** ठीक ए।

60. 'लोकगाथा'

(1) घर-घर जाइयै गाई जंदी ऐ।
(2) बिजन संगीत दे बी गाई जाई सकदी ऐ।
(3) विशेश जाति दे लोकें द्वारा गाई जंदी ऐ।
(4) गी कोई बी कुतै बी गाई सकदा ऐ।

61. अनुवाद :

(a) इक सौखी प्रक्रिया ऐ।
(b) मूल रचना दा अनुकरण मात्र ऐ।
(c) मूल रचना दा पुनर्जन्म होंदा ऐ।
(d) इक औखी प्रक्रिया ऐ।

(1) (a), (c) ते (d) ठीक न।
(2) (b), (c) ते (d) ठीक न।
(3) (a) ते (c) ठीक न।
(4) (b) ते (d) ठीक न।

62. पैह्ली चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें दा दूई चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें कन्नै स्हेई मिलान करो :

चंदी - I		**चंदी - II**	
(a)	संरचनात्मक सिद्धांत	(i)	16 मीं सदी
(b)	कंप्यूटर	(ii)	मशीन अनुवाद
(c)	छंदविशयक आग्रह	(iii)	काव्यानुवाद
(d)	डोलेट	(iv)	कैटफर्ड

कोड :

	(a)	**(b)**	**(c)**	**(d)**
(1)	(ii)	(iii)	(iv)	(i)
(2)	(i)	(iv)	(ii)	(iii)
(3)	(iv)	(iii)	(i)	(ii)
(4)	(iv)	(ii)	(iii)	(i)

63. मल्लिका, नीला कमल, बरसगंढै दी धुप्प ते लैओ फ्ही सुनो, इ'नें अनूदित रचनाएं दियें स्रोत रचनाएं दे शीर्शकें दा स्हेई क्रम ऐ।

(1) आषाढ़ का एक दिन, मैला आंचल, अकाल में सारस ते बाज़गोई

(2) बाज़गोई, आषाढ़ का एक दिन, मैला आंचल ते अकाल में सारस

(3) अकाल में सारस, मैला आंचल, आषाढ़ का एक दिन ते बाज़गोई

(4) मैला आंचल, आषाढ़ का एक दिन, अकाल में सारस ते बाज़गोई

64. हेठ दो कथन दित्ते गेदे न। इक गी **(A)** (असर्शन) यानि निश्चयात्मक कथन ते दुए गी **(R)** (रीज़न) यानि कारण आखेआ गेआ ऐ :

(A) शब्दानुवाद च मूल दी आत्मा दा हनन होंदा ऐ।

(R) भावानुवाद शब्दानुवाद शा बेहतर होंदा ऐ।

(1) **(A)** ते **(R)** दोऐ ठीक न ते **(R), (A)** दी स्हेई व्याख्या ऐ।

(2) **(A)** ते **(R)** दोऐ ठीक न ते **(R), (A)** दी स्हेई व्याख्या नेईं ऐ।

(3) **(A)** ठीक ऐ पर **(R)** गल्त ऐ।

(4) **(A)** गल्त ऐ पर **(R)** ठीक ऐ।

65. 'अनुवाद मूल दा खाका मात्र ऐ।' एह् आखे दा ऐ :

(1) टैंकोक ने (2) सेमुअल जॉनसन ने (3) हंबोडट ने (4) मधुकर ने

66. भोला नाथ तिवारी होरें अनुवादक दे जेहड़े त्रै गुण मन्ने दे न, ओह् न :

(a) लक्ष्य भाशा दा खरा खासा ज्ञान। (b) स्रोत भाशा दा खरा खासा ज्ञान।

(c) विशे दा खरा खासा ज्ञान। (d) विज्ञान दा ज्ञान।

(1) (b) ते (c) ठीक न। (2) (a), (b) ते (c) ठीक न।

(3) (a) ते (c) ठीक न। (4) (b), (c) ते (d) ठीक न।

67. पैह्ली चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें दा दूई चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें कन्नै स्हेई मिलान करो :

चंदी - I		**चंदी - II**	
(a)	काव्य भाशा दे सौंदर्य दा अधार	(i)	सांस्कृतिक संदर्भें दा विश्लेशन
(b)	अर्थपरक सिद्धांत	(ii)	आग्डन ते रिचर्ड्स
(c)	भाशा दा विश्लेशन	(iii)	लक्षणा ते व्यंजना
(d)	शैली विशयक आग्रह	(iv)	रूढ़िवादी विचारक

कोड :

	(a)	**(b)**	**(c)**	**(d)**
(1)	(iii)	(ii)	(i)	(iv)
(2)	(i)	(iv)	(iii)	(ii)
(3)	(ii)	(i)	(iv)	(iii)
(4)	(iii)	(iv)	(i)	(ii)

68. धूं गै धूं, उमराओ जान अदा, मैकबैथ ते आत्मकथा दे अनुवादकें दा स्हेई क्रम ऐ।

(1) सत्यपाल श्रीवत्स, जितेंद्र शर्मा, विश्वनाथ खजूरिया ते राम नाथ शास्त्री

(2) सत्यपाल श्रीवत्स, राम नाथ शास्त्री, जितेंद्र शर्मा ते विश्वनाथ खजूरिया

(3) जितेंद्र शर्मा, विश्वनाथ खजूरिया, राम नाथ शास्त्री ते सत्यपाल श्रीवत्स

(4) जितेंद्र शर्मा, विश्वनाथ खजूरिया, सत्यपाल श्रीवत्स ते राम नाथ शास्त्री

69. हेठ दो कथन दित्ते गेदे न। इक गी **(A)** (असर्शन) यानि निश्चयात्मक कथन ते दुए गी **(R)** (रीज़न) यानि कारण आखेआ गेआ ऐ :

(A) कंप्यूटर इक मशीन ऐ।

(R) कंप्यूटर अपनी गल्ती सुधारने च समर्थ ऐ।

(1) **(A)** ते **(R)** दोऐ ठीक न ते **(R), (A)** दी स्हेई व्याख्या ऐ।

(2) **(A)** ते **(R)** दोऐ ठीक न ते **(R), (A)** दी स्हेई व्याख्या नेईं ऐ।

(3) **(A)** ठीक ऐ पर **(R)** गल्त ऐ।

(4) **(A)** गल्त ऐ पर **(R)** ठीक ऐ।

70. भारतीय प्रेस परिषद् गी संक्षेप च आखदे न :

(1) बी.पी.सी. (2) पी.सी.आई. (3) पी.सी.पी. (4) पी.टी.आई.

71. जनसंचार देश दे आम आदमी गी सोह्‌गा करने लेई च'ऊं दिशाएं च योगदान देई सकदा ऐ, जिं'दे चा त्रै दिशां न :

(a) अखबारां

(b) परिवर्तन दी लोड़

(c) परिवर्तन थमां मेदां

(d) परिवर्तन च अपनाए जाने आह्‌ले साधन ते तरीके

(1) (a) ते (c) ठीक न।

(2) (a), (b) ते (d) ठीक न।

(3) (b), (c) ते (d) ठीक न।

(4) (a), (c) ते (d) ठीक न।

72. पैह्‌ली चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें दा दूई चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें कन्नै स्हेई मिलान करो :

चंदी - I	**चंदी - II**
(a) ग्राहम बैल्ल	(i) रेडियो
(b) मोर्से	(ii) सैलुलर फोन
(c) मार्कोनी	(iii) टैलीफोन
(d) मार्टिन कूपर	(iv) टैलीग्राफ मशीन

कोड :

	(a)	**(b)**	**(c)**	**(d)**
(1)	(iii)	(iv)	(i)	(ii)
(2)	(iii)	(i)	(iv)	(ii)
(3)	(iv)	(ii)	(iii)	(i)
(4)	(iii)	(iv)	(ii)	(i)

73. अविश्कार-काल दे स्हाबें इलैक्ट्रानिक माध्यमें दा स्हेई क्रम ऐ।

(1) रेडियो, टैलीग्राफ, टैलीफोन ते टैलीविजन

(2) टैलीग्राफ, रेडियो, टैलीफोन ते टैलीविजन

(3) टैलीफोन, रेडियो, टैलीग्राफ ते टैलीविजन

(4) टैलीग्राफ, टैलीफोन, रेडियो ते टैलीविजन

74. हेठ दो कथन दित्ते गेदे न। इक गी **(A)** (असर्शन) यानि निश्चयात्मक कथन ते दुए गी **(R)** (रीज़न) यानि कारण आखेआ गेआ ऐ :

(A) 'कंप्यूटर शब्द दी उत्पति 'compute' शब्द थमां होई दी ऐ।

(R) अंतरिक्ष च शोध करने लेई इसदा बड़ा इस्तेमाल होंदा ऐ।

(1) **(A)** ते **(R)** दोऐ ठीक न ते **(R), (A)** दी स्हेई व्याख्या ऐ।

(2) **(A)** ते **(R)** दोऐ ठीक न ते **(R), (A)** दी स्हेई व्याख्या नेईं ऐ।

(3) **(A)** ठीक ऐ पर **(R)** गल्त ऐ।

(4) **(A)** गल्त ऐ पर **(R)** ठीक ऐ।

75. अखबारें च छपे दे चित्रें, कार्टूनें बगैरा बारै दित्ती गेदी जानकारी गी आखेआ जंदा ऐ।

(1) बाई लाइन (2) कट लाइन (3) कैप्शन (4) क्रैडिट लाइन

- o 0 o -

Space For Rough Work